खोरठा संस्कार गीत

संस्कार भीतरे जनम से मोरन तइक के संस्कार जइसे छठी, मुंडन, कान छेदा, जनेउ बिहा, गवना हेन तेन आवहे। जाइत–परजाइत,छोट–बोड़, अगड़ी–पिछड़ी हेन–तेन में फरक फरक संस्कार हेवहे। जइसे बाभन ;ब्राह्मण, भूमिहारद्ध जाइते जनेउ, आर बिहाक पहिले तिलक आर बादे गवना संस्कार हेवहे। एहे खातिर सोलह संस्कार कर बात करल जाहे। हर संस्कारे नेगेक अनुसारे गीतो पावा हे। हियां जनम संस्कार आर बिहा संस्कारेक गीत के पटतइर रूपे राखल जाइ रहल हे।

जनम संस्कारेक गीत– छठी मेनेक छउवा जनमल बाद छठा दिने छठी हेवहे, ऊ दिन छउवा के तेल–हरदी लगवल जाहे। मायो नहान धोवन हेवहे। ई दिन भाटो (भाट भी) गीत पावले आवहे। ऊ गीत हे –

1. अंगना में अइलइ ललनवाँ हो
   मंगल गीत मिली गावा हो।
   ललना, तिले–तिले बाढ़इ पुता /पुती अंगना में
   सोहान हेतइ मायेक कोरवा हो।
   ई गीत के नावा छउवाक रिस्तादारेक सबद नाम लेइ लेइ के दोहराय दोहराय के गावा हथ।
2. बोनवाँ ही फूललइ धेवइया फूल
   बोनवाँ इंजोर भेलइ हो
   मइया के कोखिया से बेटवा / बेटिया जनम लेलइ
   अंगना सोहान हेलइ हो।
   ई गीते 'हो' सबदेक जगन कहूँ 'रे' तो कहु 'गो' कर प्रयोग कर हथ

बिहा गीत – संस्कार गीतें सोबले बेसी बिहा गीत हे। ई ले बिहा पहर ढेइर रकमेक नेग ;रीत / रीतियाँद्ध हे आर हर नेगे गीत गावल जा हे। खोरठा छेतरे खास कइर पिछडी सदान जाइतें बिहाक जतना नेग सब गीते से चलहे हियां पंडित मंत्रा नाञ पढहे मेन्तुक मेहरारूएँ गीत गाय–गाय के नेग के पूरव हथ।

बिहा पहर लगन से बिदाइ तइक कनियाइ घारेक नेग आर बोर घारे लगनेक बाद उबटन माखावेक से चउठारी नहाइ तइक के गीत हे। नेगेक गीतेक बादे लगनेक दिन से राइते उबटन मखवल बादे झुमटा नाचेक रीतो हे। ई नेगेक भीतरे नाञ× मेंतुक मनोरंजन खातिर हेवहे। हियाँ पटतइर रूपे कुछ नेगेक गीत के राखल जाय रहल हे।

उबटन मखवेक गीत

जोवा रे गुहुमा करी उबटन
राइ सरिसा केरी तेल,
पुता बइसल उबटन
उबटने आइयो (आजी) सोहाइ

हियां 'आइयो' कर बादे नाताक लोक काकी / जेठी (गूंगू), मांय, मोसी हेन तेन कर नाम लेइ लेइ के गीत के दोहरावल जाहे।

कनिआइ (बेटी छउवा) के उबटन लगवेक पहरेक गीत

जोवा रे गहुमा केरी उबटन
राइ सरिसा केरी तेल
नुनी (बेटी) बइसल उबटन।
केथिके आसन, केथिके सिंहासन
केथिक परलइ बिछावन, नुनीक गाते उबटन हे।
रूपा के आसन, सोने के सिंहासन
पटिया के परलइ बिछावन
नुनीक गाते उबटन हो।
केहु जे गावे, केहु बजावे, केहु चिरे लाम्बी केस
राधा जे गावे, रूकमिनी बजावे
पदमिनी चिरे लाम्बी केस हो

नुनीक गाते परइ उबटन।

जोग माँगेक गीत –

कते नींदे सुतले पइन डुबी मइया
जातरी छेंकलइ दुवाइर
तोहर पानीञ करबइ नेग जानी
राखबइ कुल के छेंवाइर।
चला बहिन पानी जोगे जाइब
बेरा–बेरी कलसा सजाइब गो, चला .....
काँखे कलसा करी, सब कहे बेरा–बेरी
बड़की भउजिक सिथिया सजाइव गो, चला .....
कुल्ही–कुल्ही जागबइ, थपड़ी बजाइबइ
बाँध घाटे कलसा डुबाइव गो, चला .....
कंदे गेलइ बोरेक / कनियाइक माँय
लोइक लेतइ कलसा गो, चला .....

हरदी चढ़वेक पहर गावेक गीत –

बूबा मोरा हरदी चढ़ावइ, आयों हरदी नभावइ हो
बपा मोरा हरदी चढ़ावइ, मइया हरदी नभावइ हो
काका मोरा हरदी चढ़ावइ, काकी हरदी नभावइ हो
फूफा मोरा हरदी चढ़ावइ, फूफू हरदी नभावइ हो।
एहे नीयर नाताक लोकेक नाता धइर–धइर के गीत गावल जाहे।

दुवाइर लागल पहर बोर के गारी दियेक गीत

दाढ़ी–मिसी भंवरा गुजइर गेल
एहो टा लागइ बुढ़ बोरा।
तोर मइया खाले रहउ गेठी सिझा
तकर बेटा घमर घेंठा।
मइया कहउ आए पढ़ल, बपा कहउ बीए पढल
कलमा धराइ देले, लिखोको लुइर नाही .....
ई रकम जे मने आवे गीत गाइ–गाइ के बोर के गारी देल जा हे।
माडूवा भीतरे गावल जाइक गीत –
केहु देतइ साया–साड़ी, केहु देतइ साल गो
केहु देतइ सिथांइ सेन्दुर राखबे साम्हाइर गो।

चउख पुरेक पहरेक गारी गीत

समधी भेडुवा आनलइ मडुवाक गुंडी
से चउखा नाहीं उखरे हो,
ससुरा के कुटल गुंडिया, सासे केरी उसकवल हो
चउखा रहलइ अधपुरवा हो,
समधी भडूवा के लाजो नाही लागइ
कहाँ जाइये रहले नुकाइ
कि चउखा रहलइ अध पुरवा हो।

अमलो पीयेक पहर गावेक गीत –

कोने मोरा अम्बा अमलो रोपलइ
कोने अमलो पीतइ हो।

बाबा मोरा अम्बा अमलो रोपलइ
आयो अमलो पीतइ हो।

काका / मामी / मोसा / बाप हेन–तेन नाम लेइ लेइ के जे अमलो पीय हीक ओकर बारे गीत गाइ–गाइ के दोहरावल जा हे।

समधो जोरेक पहर गावेक गीत

कनिआइ बपा बइठ हइ पूरूब मुँहे
देखाहइ राजा नीयर
बोर बपा बइठ हइ पछिम मुँहे
देखा हइ हुंडार नीयर।

कनिआइ बिदाइ पहर गावेक गीत

जे हूँ अंगनाञ खेल हलइ बेटिया
से हूँ अंगनाञ खेलतइ पुतहिया
मइया काँदइ घारे बइसी
बपा काँदइ पीड़े बइसी
आबे बेटी भेलिक परघार गो
छोटकी बहिन काँदइ दुराइ बइसी
दीदी संगे जइबइ ओकर घार गो

एका कोसा गेलें बेटी, दुइया कोसा गेले गो
तीने कोसे बीजु बोन, कइसे जइबे ससुराइर गो।

ई बिदाइ गीत बड़ा कारूनिक हेवहे। सुइन के सब फफइक–फफइक कांदे लागहथ। हृदय विदारक गीत हेवे।

ई नीयर संस्कार गीते बिहा गीत ढेइर हे, मगुर हियां कमे देल गेल हे।

झुमटा

बिहा पहर बोर–कनिआइ दुइयो घारे नेगेक गीत उबटन माखवल बादे झुमटा नाचेक रीवाज हे। ई मनोरंजन खातिर हे। बेटी छउवा लगन दिन से मंडवाक पहिल राइत तइक झुमटा नाच हथ। एकर में बाजनाक उपयोग नाञ हेवहे आर ना एकर में बेटा छउवा सामिल हेव हथ। झुमइर करम परबे जावा जगवल बादे नाच हथ मगुर ओकर में ढोल–नगेड़ा–मांदइर कर प्रयोग हेवहे, ऊ तो करम परना (भसावन) दिन तइक चलहे एतना नाञ झुमइर तो आब हर उत्सव पहर मनोरंजन खातिर हेइ रहल हे मगुर झुमटा खाली बिहा पहर गावल आर नाचल जाहे ओहो मंडवाक पहिले राइत तइक। हियाँ पटतइर रूपे कुछ गीत देल जाइ रहल हे।

1. केकर बंधवे टलमल पनिया
   केकर बंधवे सेवाल हो
   केकर बंधवे रेहु रे मछलिया
   कोने बिगे महाजाल हो।
   बाबाक बँधवे टलमल पनिया
   भइयाक बँधवे सेवाल हो
   सइया के बँधवे रेहु रे मछरिया
   देवरा बिगे महाजाल हो।
   खाये महासवाद हो।
2. केकर बगीये जुही रे चमेली
   केकर बगीये गुलाब गो

केकर बगीये फूलइ पिरितिया
जिनगी रहइ आबाद हो
बाबाक बगीये जुही रे चमेली
ससुरेक बगीये गुलाब हो
पियाक बगीये फूलइ पिरितिया
जिनगी रहइ आबाद हो।

ई नीयर के गीत के आरो जोइड़ के बढ़वल जाहे। आर खूब उछइल–उछइल सियासन बेटी छउवा नाच हथ।

3. कहाँ सोमे कंगना, कहाँ सोमे खिलउना
कहाँ रे सोभइ हामर दिल मोहना, कहाँ रे ....
हाथे सोभे कंगना, कंगने सोभे खिलउना
पलंगे रे सोभइ हामर दिल मोहना, पलके सोभे .....
टूइट गेलइ कंगना, हेराइ गेलइ खिलउना
रूइस गेलइ रे हामर दिल मोहना, रूइस गेलइ रे ....
बनाइ लेबइ कंगना, लगाइ लेबइ खिलना
मनाइ लेवइ रे हामर दिल मोहना, मनाइ लेबइ रे।
4. कोना तरे खटिया, कोना तरे मचिया
कोना तरे रे संइया जोड़लइ पिरितिया, कोना तरे ...
आमा तरे खटिया, निमा तरे मचिया
नेबो तरे रे संइया जोड़लइ पिरितिया, नेंबो तरे ....
टूइट गेलइ खटिया, मसइक गेलइ मचिया
रूइस गेलइ रे संइया के जोडल पिरितिया, रूइस गेलइ .....
बनाइ लेबइ खटिया, बुनाइ लेबइ मचिया
मनाइ लेबइ रे संइया के जोड़ल पिरितिया, मनाइ लेबइ रे ....

ई गीतें सिंगार रसेक दुइयों भाव हे, संजोग आर वियोग के रूप हे। ई नीयर आरो कतेक गीत के जोइड–जोइड के लय मिलाय के गावइत रह हथ हंसी–मजाकों के गीत हे, हियाँ तइक कि ई पहर नवटंकी नीयर नाटको कर हथ आर करीब एक–दु घंटा गावहथ नाचहथ।

5. नींद के मातल गोरिया सुतली अंगना में
पेंइरिया कोने खोली लेल गे साजइन,
ना खोले भेंसुरा, ना खोले ससुरा
खोली लेलक छोटक देवरा, गे साजइन।

एगो गोरी नींदेक मातल के चलते अंगनाञ सुतल रहीक आर गोड़ेक पेइरिया (पायल) कोने खोइल लेलक। गोरी कह हीक कि हामर गोड़ेक पेंइरिया तो ना भेंसुर खोबता आर ना ससुर खोलता, जरूर देवरे खोलल हेता, काहे कि हंसनतुबा तो ओहे हथ।